देखकर ही अनुशंसा की हैं। इनमें वे सात जातियां शामिल हैं। जब अनुसूचित जाति में अन्य जातियों को शामिल करने पर विचार हो, तब उन जातियों को भी इससे शामिल कर लें। महोदय, मैं अतं में यही कहना चाहूंगा कि यह एक महत्वपूर्ण विषय हैं। अगर इसका समाधान प्राइवेट मैम्बर बिल से नहीं होता हैं, तो मंत्री जी तथा सरकार स्वयं इस बिल को स्वीकार कर ले और इसको मान ले। यदि एक रूपता के लिए, समरूपता के लिए संविधान में जो सम्यक संशोधन हो सकता हैं, तो वह संशोधन करें, ताकि यदि कोई एक जाति किसी प्रदेश में अनुसूचित जाति हैं,तो उसको राष्ट्रीय स्तर पर अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त हो सके। इसके साथ ही अनुच्छेद-340 के तहत जो जाति एक प्रदेश में अनुसूचित जाति हैं और दूसरे प्रदेश में वह पिछड़ा वर्ग में आती हैं, तो उसमें समरूपता लाई जाए, इस पर संशोधन लाने की कृपा करें। इन्हीं बातों के साथ हम अपनी बात समाप्त करते हैं।

PAPERS LAID ON THE TABLE

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Hon. Members, Shri Pawan Kumar Bansal has requested that since he has other urgent business, on behalf of Shri P. Chidambaram, he may be permitted to lay the Papers on the Table just now.

Notification of the Ministry of Finance

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL) Sir, I lay on the table, under Section 159 of the Customs Act, 1962, a copy (in English and Hindi) of the Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. 80/2006-Customs, dated the 11th August, 2006, seeking to amend Notification No. 21/2002-Customs, dated the 1st March, 2002, so as to reduce customs duty on crude palm oil, crude palmolein and other fractions of crude palm oil from 80% to 70% and on Refined Bleached Deodorized palm oil, Refined Bleached Deodorized palmoiein and other refined palm oils from 90% to 80%, together with an Explanatory Memorandum on the Notification.

[Placed in Library, *See* No. 4733/06.]

THE CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL, 2004

(AMENDMENT OF ARTICLES 341 AND 342) — (Contd.)

SHRI SHREEGOPAL VYAS: Sir, I rise to make a few comments on the observations made by our hon. colleagues. Somebody raised a question about Dr. Ambedkar. I want to remind Members that Dr. Ambedkar embraced